मन मोह लिया कुण्डला वाले ने

मन मोह लिया कुण्डला वाले ने ।
बंसी दी तान सुना के,
सोहने रूप दा जादू पा के,
नैना दे तीर चला के ।
मन मोह लिया पीत पट वाले ने ॥

भरी भराई रह गयी मटकी,
चलदी दूध मधानी अटकी,
वैरण बंसी मन विच खटकी,
मेरा ले गयी चित्त चुरा के ।
मन मोह लिया कुण्डला वाले ने ॥

सयीओ नी मैं हो गयी चल्ली,
पीर विछोड़े वाली सल्ली.
पिया मिलन नू कल्ली चल्ली,
पगवा भेस बना के ।
मन मोह लिया कुण्डला वाले ने ॥

सयीओ पंथ प्रेम दा औखा,
चलना औखा ते कहना सौखा,
श्याम मिलन दा येही मौका,
लाभदा आप गवा के ।
मन मोह लिया कुण्डला वाले ने ॥

की दस्सा कुञ्ज वस ना मेरे,
पांदी गलियाँ सो सो फेरे,
आजा प्रीतम सांझ सवेरे,
रूप अनूप सजा के ।
मन मोह लिया कुण्डला वाले ने ॥

स्वर : श्री बलदेव कृष्ण सेहगल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/133/title/man-moh-leya-kundala-wale-ne

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |